स्विस ओपन 2025 : त्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद की जोड़ी दूसरे दौर में, पुरुष एकल में भारतीय चुनौती मजबूत

बासेल

भारतीय महिला युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और त्रीसा जॉली ने स्विट्जरलैंड के बासेल में जारी स्विस ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है।

दुनिया की नौवें नंबर की भारतीय जोड़ी ने स्विट्जरलैंड की एलाइन मुलर और नीदरलैंड की केली वान बुइटन को 21-16, 21-17 से केवल 32 मिनट में हराकर अगले दौर में जगह बनाई। अब वे जर्मनी की सेलिन हब्सच और एमेली लेहमैन के खिलाफ खेलेंगी।

हालांकि, त्रीसा और गायत्री, जो इस टूर्नामेंट में चौथी वरीयता प्राप्त हैं, महिला युगल में बची एकमात्र भारतीय चुनौती हैं। अन्य भारतीय जोड़ियां प्रिया कोंजेंगबाम-श्रुति मिश्रा और वर्षिनी विश्वनाथ श्री-आरती सारा सुनील पहले दौर में हारकर बाहर हो गईं। प्रिया-श्रुति की जोड़ी को तुर्किये की नाज़लिकन इंसी और बेंगिसु एरचेतिन ने 21-11, 21-19 से हराया। वहीं, वर्षिनी-आरती नीदरलैंड की डेबोरा जिल और डेनमार्क की सारा थाइगेसन के खिलाफ 21-13, 21-13 से हार गईं।

पुरुष एकल में अयुष शेट्टी और संकर मुथुसामी मुख्य ड्रॉ में पहुंचे

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों अयुष शेट्टी और एस संकर मुथुसामी सुब्रमण्यम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। आयुष शेट्टी (दुनिया के 44वें नंबर के खिलाड़ी) ने पहले दौर में इंग्लैंड के चोलन कायन (रैंक 161) को 21-12, 21-15 से हराया। इसके बाद, उन्होंने फ्रांस के राफेल गावियोस (रैंक 400) को केवल 23 मिनट में 21-6, 21-8 से हराकर अंतिम 32 में जगह बनाई। अब वह जापान के केंटा निशिमोटो (2018 जकार्ता एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता) से भिड़ेंगे।

संकर मुथुसामी ने भी क्वालिफायर में दो शानदार जीत दर्ज कीं। पहले दौर में उन्होंने इंग्लैंड के यूहेन वांग को 21-13, 21-4 से मात दी। फिर अपने ही हमवतन थरुण मानेपाल्ली को 21-7, 21-10 से हराकर मुख्य ड्रॉ में पहुंचे। अब संकर मुथुसामी (रैंक 64) पहले दौर में डेनमार्क के मैग्नस जोहानसेन से भिड़ेंगे।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई इंडियंस के शुरुआती मैचों में नहीं खेल सकेंगे बुमराह- महेला जयवर्धने

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है कि भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। जयवर्धन ने यह नहीं बताया कि बुमराह कब तक मैदान में वापसी करेंगे। जानकारी के अनुसार बुमराह बेंगलुरु के बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैबिलिटेशन से गुजर रहे हैं। जयवर्धने को उम्मीद है कि वह जल्द ही टीम से जुड़ेंगे। जयवर्धने ने मीडिया से बातचीत में कहा, बुमराह ने अपनी रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। हमें देखना होगा कि बीसीसीआई की मेडिकल टीम की ओर से क्या अपडेट मिलता है। अभी तक सबकुछ सही दिशा में जा रहा है, लेकिन यह दिन-प्रतिदिन की प्रक्रिया है। जयवर्धने ने बुमराह की अनुपस्थिति को मुंबई इंडियंस के लिए एक बड़ी चुनौती बताया। उन्होंने कहा, बुमराह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों में से एक हैं और उन्होंने कई सालों तक हमारी टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। उनका नहीं होना हमारे लिए मुश्किल होगा, लेकिन यह किसी और गेंदबाज के लिए खुद को साबित करने का अवसर भी हो सकता है। उल्लेखनीय है कि बुमराह जनवरी 2025 से क्रिकेट से बाहर हैं, जब वह सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांचवें टेस्ट के दौरान चोटिल हो गए थे। इसके बाद उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी भी मिस कर दी। उनकी फिटनेस को लेकर अभी भी चिंता बनी हुई है। मुंबई इंडियंस के पूर्व गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने हाल ही में बुमराह को अत्यधिक वर्कलोड से बचने की सलाह दी थी, ताकि वह अपने करियर को लंबा खींच सकें।

उरुग्वे के कोच बिएल्सा ने वर्ल्ड कप क्वालीफायर्स के लिए छह नए खिलाड़ियों को टीम में शामिल किया

मोंटेवीडियो। उरुग्वे के मैनेजर मार्सेलो बिएल्सा ने अर्जेंटीना और बोलिविया के खिलाफ होने वाले फीफा वर्ल्ड कप क्वालीफायर मुकाबलों के लिए अपनी टीम में छह नए खिलाड़ियों को शामिल किया है। बिएल्सा द्वारा चुने गए नए खिलाड़ी लोकल क्लबों से हैं, जिनमें फॉरवर्ड पाब्लो सुआरेज, मिडफील्डर जर्मन बारबास, मिडफील्डर एरिको कुएलो, डिफेंडर पैट्रिसियो पैसिफिको, सेंटर-बैक पाओलो कैलियोन और विंगर लुकास अगाज़ी का नाम शामिल है। उम्मीद के मुताबिक, लिवरपूल के फॉरवर्ड डार्विन नुनेज, रियल मैड्रिड के मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वेर्दे, टॉटनहैम के मिडफील्डर रोड्रिगो बेंटानकुर और बार्सिलोना के डिफेंडर रोनाल्ड अराउजो को भी टीम में जगह दी गई है। उरुग्वे की टीम शुक्रवार को मोंटेवीडियो में अर्जेंटीना से भिड़ेगी, जबकि अगले मंगलवार को एल आल्टो में बोलिविया के खिलाफ खेलेगी। दस टीमों की दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग ग्रुप तालिका में उरुग्वे 12 मैचों में 20 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है, जबकि अर्जेंटीना 25 अंकों के साथ शीर्ष पर बनी हुई है।

इतालवी फुटबॉलर एंटोनियो कंद्रेवा ने लिया संन्यास

रोम। इटली के फुटबॉल खिलाड़ी एंटोनियो कंद्रेवा ने 38 वर्ष की उम्र में मंगलवार को सोशल मीडिया के जरिए संन्यास की घोषणा की, जिससे उनका करीब 20 साल का करियर समाप्त हो गया। रोम में जन्मे कंद्रेवा मुख्य रूप से दाएं विंगर के रूप में खेलते थे और उन्होंने जुवेंटस, लाजियो, इंटर मिलान सहित कई अन्य क्लबों के लिए खेलते हुए 500 से अधिक सेरी ए मैचों में हिस्सा लिया। हालांकि, वह अपने करियर में केवल एक प्रमुख ट्रॉफी जीत सके, जब उन्होंने 2012-13 सीजन में लाजियो के साथ कोपा इटालिया का खिताब अपने नाम किया। कंद्रेवा पिछले सीजन में सालेर्निताना के साथ अपने अनुबंध की समाप्ति के बाद से फ्री एजेंट थे और पिछले महीने उन्होंने अपना 38वां जन्मदिन मनाया था। इस अनुभवी खिलाड़ी ने 2009 में इटली की राष्ट्रीय टीम के लिए डेब्यू किया था और अपने करियर में कुल 54 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें उन्होंने 7 गोल किए।

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025

पैंथर्स, विंग्स, क्लासिक और वॉरियर ने दर्ज की जीत

देहरादून

सचिवालय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के तहत बुधवार को चार अहम मुकाबले खेले गए, जिनमें सचिवालय पैंथर्स, विंग्स, सचिवालय क्लासिक और सचिवालय वॉरियर ने शानदार जीत दर्ज की।

महाराणा प्रताप क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए पहले मुकाबले में सचिवालय पैंथर्स ने सचिवालय राइजिंग को 3 विकेट से हराया। सचिवालय राइजिंग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट पर 125 रन बनाए, जिसमें अमित सतवाल (45) और संदीप (27) ने उपयोगी पारियां खेलीं। पैंथर्स की ओर से अजीत शर्मा ने 3 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए पैंथर्स ने प्रमोद नेगी (48) और अजीत शर्मा (36) की पारियों के दम पर जीत हासिल की। शुभम ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अजीत शर्मा को चुना गया।

दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए

दूसरे मुकाबले में विंग्स ने रॉयल स्ट्राइकर्स को 48 रनों से हराया। विंग्स ने पहले खेलते हुए 6 विकेट पर 145 रन बनाए, जिसमें संजय जोशी ने 37 रन जोड़े। जवाब में रॉयल स्ट्राइकर्स की टीम 97 रनों पर ऑल आउट हो गई। दीपक सैनी ने सर्वाधिक 39 रन बनाए, जबकि विंग्स के दीपक पंवार ने 4 विकेट झटके। मैन ऑफ द मैच दीपक पंवार को मिला।

इसके अलावा दून हैरिटेज क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए मुकाबले में सचिवालय क्लासिक ने ईगल्स को 2 रनों से हराया। सचिवालय क्लासिक ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 165 रन बनाए, जिसमें सुशील बिष्ट (54) और रमेश (44) ने अहम योगदान दिया। ईगल्स की टीम 163 रनों पर ऑल आउट हो गई। तेजपाल ने 39 रन बनाए, जबकि क्लासिक के सुशील बिष्ट ने 3 विकेट चटकाए। मैन ऑफ द मैच सुशील बिष्ट रहे।

अगले मुकाबले में सचिवालय वॉरियर ने सचिवालय सुपर किंग्स को 11 ओवर में 3 विकेट से मात दी। सुपर किंग्स ने पहले खेलते हुए 150 रन बनाए, जिसमें अमित तोमर ने 32 रन जोड़े। वॉरियर की ओर से राजीव तड़ियाल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करते हुए अशोक बिष्ट की 83 रनों की धमाकेदार पारी से वॉरियर ने जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच राजीव तड़ियाल बने।

आईपीएल 2025: सीजन के पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे सूर्यकुमार यादव

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन के अपने पहले मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी करेंगे क्योंकि पूर्णकालिक कप्तान हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच में नहीं खेल पाएंगे। हार्दिक ने बुधवार को मीडिया से कहा, जब मैं नहीं रहूंगा तो सूर्या आदर्श विकल्प होंगे। हार्दिक को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 2024 सीजन के मुंबई के आखिरी मैच में धीमी ओवर गति के लिए एक मैच के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया था। चूंकि यह हार्दिक का सीजन का तीसरा अपराध था, इसलिए उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच का प्रतिबंध लगाया गया था, जो इस सीजन के शुरुआती मैच में भी जारी रहेगा। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच महेला जयवर्धने ने भी पुष्टि की कि फ्रेंचाइजी को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अभियान के शुरुआती मैच के लिए हार्दिक की अनुपलब्धता के बारे में औपचारिक रूप से सूचित कर दिया गया है। हार्दिक ने कहा, पिछले साल, जो हुआ वह खेल का हिस्सा था। हमने आखिरी ओवर में डेढ़ या दो मिनट देरी से गेंदबाजी की। उस समय, मुझे नहीं पता था कि इसके क्या परिणाम हो सकते हैं। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है, लेकिन मुझे लगता है कि नियम ऐसा कहते हैं। इसका मतलब है कि मुझे प्रक्रिया के साथ चलना होगा। 2023 में सूर्यकुमार यादव, जो वर्तमान में भारतीय टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम के कप्तान हैं, ने एक आईपीएल मैच में मुंबई इंडियंस की कप्तानी की थी।

तेलंगाना सरकार ने खेल बजट में की 100 करोड़ की वृद्धि, युवा इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना की घोषणा

हैदराबाद

तेलंगाना विधानसभा में बुधवार को प्रस्तुत वार्षिक बजट के दौरान राज्य के खेल क्षेत्र के लिए 465 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। पिछले बजट की तुलना में इसमें 100 करोड़ रुपये की वृद्धि की गयी है।

उप मुख्यमंत्री एवं वित्तमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने बजट पेश करते हुए कहा कि राज्य सरकार हैदराबाद के बाहरी इलाके हकीमपेट में 200 एकड़ में 'यंग इंडिया स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी' की स्थापना कर रही है, जिसका उद्देश्य विश्वस्तरीय खिलाड़ियों को तैयार करना है। इस विश्वविद्यालय में 12 विशेष खेल अकादमियां स्थापित की जाएंगी, जहां विभिन्न खेलों में उन्नत प्रशिक्षण दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि फ्यूचर सिटी में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार एक अत्याधुनिक 'स्पोर्ट्स हब' विकसित किया जाएगा, जिससे तेलंगाना को खेल उत्कृष्टता का प्रमुख केंद्र बनाया जाएगा। इस स्पोर्ट्स हब में स्पोर्ट्स साइंस सेंटर और स्पोर्ट्स मेडिसिन सेंटर होंगे, जो वैज्ञानिक प्रशिक्षण, प्रदर्शन अनुकूलन और चोट प्रबंधन जैसी सुविधाएं प्रदान करेंगे, जिससे खिलाड़ियों का समग्र विकास अंतरराष्ट्रीय स्तर के अनुरूप हो सकेगा।

खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर सराहना

उप मुख्यमंत्री ने राज्य के खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, बॉक्सर निखत जरीन और पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी का विशेष रूप से उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि मोहम्मद सिराज ने टी20 वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन कर राज्य का नाम रोशन किया और वैश्विक स्तर पर पहचान बनाई। निखत जरीन को वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मिली जीत के लिए बधाई देते हुए उन्होंने बताया कि सिराज और निखत दोनों को डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) पद से सम्मानित किया गया है। इसके अलावा उन्होंने पैरा-एथलीट दीप्ति जीवनजी के प्रेरणादायक सफर का जिक्र किया और बताया कि उन्हें ग्रुप-2 सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि दीप्ति जीवनजी ने 2024 पैरालंपिक्स में पदक जीतकर इतिहास रच दिया, वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाली राज्य की पहली महिला खिलाड़ी बनी हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए डिवाइन, केर, और ताहूहू की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

वेलिंगटन। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 मार्च से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए अनुभवी खिलाड़ी सोफी डिवाइन, अमेलिया केर और ली ताहूहू की न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम में वापसी हुई है। इस बीच, श्रीलंका के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी20 सीरीज में 1-1 की बराबरी के बाद, सूजी बेट्स अंतरिम कप्तान बनी रहेंगी। वहीं, विकेटकीपर बल्लेबाज इसाबेला गेज अभी भी हिप फ्लेक्सर की चोट के कारण टीम से बाहर हैं।

शिवाजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट : ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने दर्ज की जीत

भोपाल। शिवाजी ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के अंतर्गत एक अनूठे और प्रेरणादायक मुकाबले का आयोजन हुआ, जिसमें ब्लाइंड क्रिकेट टीम और शिवाजी क्रिकेट टीम के बीच रोमांचक मैच खेला गया। इस मुकाबले ने क्रिकेट प्रेमियों को यह संदेश दिया कि सच्ची प्रतिभा और जुनून किसी भी शारीरिक सीमा में नहीं बंधते। टॉस जीतकर ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और शानदार प्रदर्शन करते हुए निर्धारित 10 ओवरों में 117 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। टीम के खिलाड़ियों ने अनुशासित खेल और बेहतरीन शॉट्स से दर्शकों को रोमांचित कर दिया। इसके जवाब में जब शिवाजी क्रिकेट टीम मैदान में उतरी, तो उन्हें ब्लाइंड क्रिकेट टीम की सधी हुई गेंदबाजी और चुस्त फील्डिंग के आगे संघर्ष करना पड़ा। पूरी टीम 10 ओवरों में मात्र 52 रन ही बना सकी, जिससे ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने बड़ी जीत दर्ज की। इस मैच के दौरान मध्यप्रदेश ब्लाइंड क्रिकेट टीम के कप्तान और इंटरनेशनल खिलाड़ी सोनू गोवलकर, दामोह की महिला क्रिकेटर एवं मध्यप्रदेश महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान सुषमा पटेल की विशेष उपस्थिति रही। इस ऐतिहासिक आयोजन के सूत्रधार डॉ. विपिन तिवारी रहे, जिन्होंने इस प्रेरणादायक मुकाबले को आयोजित कर खिलाड़ियों की अदम्य इच्छाशक्ति और खेल भावना को मंच प्रदान किया। यह मुकाबला महज एक क्रिकेट मैच नहीं था, बल्कि यह एक सशक्त संदेश था कि दृढ़ इच्छाशक्ति और कड़ी मेहनत से किसी भी चुनौती को पार किया जा सकता है।

'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन के लिए 40,000 से अधिक धावक तैयार, राम नगरी अयोध्या में होगा भव्य आयोजन

नई दिल्ली

रामनगरी अयोध्या एक बार फिर आस्था और फिटनेस के संगम की साक्षी बनेगी, जब 13 अप्रैल को क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित 'रन फॉर राम' हॉफ मैराथन का तीसरा संस्करण संपन्न होगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खेल प्रकोष्ठ क्रीड़ा भारती द्वारा आयोजित यह प्रतिष्ठित मैराथन, जिसे 'संकल्पका मैराथन' नाम दिया गया है, केवल एक दौड़ नहीं बल्कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों से प्रेरित भक्ति और समुदायिक समर्पण का प्रतीक है।

2023 और 2024 में जबरदस्त सफलता प्राप्त करने के बाद, क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह के नेतृत्व में इस वर्ष 40,000 से अधिक धावकों को शामिल करने की तैयारी की जा रही है। राम जन्मभूमि से प्रेरित इस मैराथन का आयोजन 14 कोसी परिक्रमा के महत्व को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है, जो शारीरिक सहनशक्ति, आध्यात्मिक समर्पण और सामूहिक एकता का प्रतीक है।

तीन श्रेणियों में होगी दौड़

इस मैराथन में 3 प्रमुख श्रेणियां शामिल होंगी— 1. 21 किलोमीटर हाफ मैराथन 2. 10 किलोमीटर दौड़, 3. तीन किलोमीटर परिवार एवं आनंद दौड़।

ये सभी दौड़ अयोध्या के पवित्र राम पथ और भक्ति पथ को समाहित करेंगी, जिससे प्रतिभागियों को धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व का अनुभव भी मिलेगा। इस दौड़ में पुरुषों, महिलाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोग भाग ले सकेंगे। यह न केवल शारीरिक क्षमता की परीक्षा होगी, बल्कि श्रद्धा और परंपरा से जुड़ने का भी एक अवसर प्रदान करेगी।

संकल्प, स्वास्थ्य और भक्ति का संगम

क्रीड़ा भारती उत्तर प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह ने कहा, रन फॉर राम' अब केवल एक दौड़ नहीं, बल्कि एक आंदोलन बन चुका है, जो पूरे देश से श्रद्धालुओं और फिटनेस प्रेमियों को एक साथ जोड़ता है। यह केवल शारीरिक दक्षता को परखने की दौड़ नहीं, बल्कि एक सामूहिक संकल्प (संकल्पका) है कि हम श्रीराम के आदर्शों को अपनाते हुए अनुशासित, स्वस्थ और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध जीवन जीने की दिशा में आगे बढ़ें। रामलला की पावन नगरी अयोध्या हम सभी को प्रेरित करती है। पिछले दो वर्षों में 'रन फॉर राम' को देश-विदेश से हजारों श्रद्धालुओं और धावकों का भरपूर समर्थन मिला है। इस वर्ष भी क्रीड़ा भारती इस आयोजन के माध्यम से लोगों में स्वास्थ्य, अनुशासन और आध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने के अपने उद्देश्य को आगे बढ़ाएगा।

5 अप्रैल को होगी प्रेस वार्ता

आयोजकों के अनुसार, इस भव्य मैराथन के आयोजन को लेकर 5 अप्रैल को अयोध्या सहित विभिन्न स्थानों पर प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। आयोजकों को पूर्ण विश्वास है कि 'रन फॉर राम 2025' अयोध्या को एक बार फिर आध्यात्मिक और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा और साथ ही, एकता एवं कल्याण के मूल्यों को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

सविता ने गोलकीपर ऑफ द ईयर पुरस्कार जीतने पर कहा- टीम के बिना यह संभव नहीं था

नई दिल्ली

भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान और अनुभवी गोलकीपर सविता को हॉकी इंडिया के 7वें वार्षिक पुरस्कार 2024 में हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड फॉर प्लेयर ऑफ द ईयर (महिला) और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनकी शानदार हॉकी यात्रा में एक और उपलब्धि जोड़ता है, लेकिन सविता के लिए यह सिर्फ व्यक्तिगत सफलता नहीं बल्कि उन सभी लोगों की मान्यता है जिन्होंने उनकी इस सफलता में योगदान दिया है।

तीसरी बार हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड जीतने पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए सविता ने कहा, बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। इस साल कई खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, इसलिए मुझे उम्मीद नहीं थी कि यह पुरस्कार मुझे मिलेगा। हर खिलाड़ी को उसकी मेहनत के लिए पहचान मिलना अच्छा लगता है और मैं इस सम्मान के लिए आभारी हूं।

उन्होंने हॉकी इंडिया की ओर से बुधवार को जारी एक बयान में कहा, हमारी टीम में हम सब एक-दूसरे का समर्थन करते हैं और हर खिलाड़ी की सफलता की कामना करते हैं। कोई भी खिलाड़ी अकेले कुछ हासिल नहीं कर सकता, टीम के बिना यह संभव नहीं था।

इस साल सविता व्यक्तिगत रूप से पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो पाईं। उन्होंने टोरंटो, कनाडा से अपने ससुराल वालों के साथ लाइव प्रसारण देखा। सविता ने यह पुरस्कार अपने परिवार को समर्पित किया और कहा, मेरे पति और उनका परिवार हॉकी को लेकर बहुत सहयोगी रहा है। कई खिलाड़ियों पर शादी के बाद खेल छोड़ने का दबाव होता है, लेकिन उन्होंने मुझे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि मुझे उनका समर्थन मिला।

हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड फॉर गोलकीपर ऑफ द ईयर जीतने पर सविता ने अपने खेल की चुनौतियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा, हर बचाव के पीछे घंटों की मेहनत होती है। फुटवर्क, फुर्ती, रिफ्लेक्स और पोजिशनिंग पर लगातार अभ्यास किया जाता है। हमारे कोचों ने भी मेरे खेल को निखारने के लिए कड़ी मेहनत की है।

पिछला साल सविता के लिए खास रहा, खासकर हीरो हॉकी इंडिया लीग में जहां उन्होंने सूरमा हॉकी क्लब की अगुवाई की। उन्होंने कहा, हॉकी इंडिया ने महिला हॉकी लीग कराने का वादा पूरा किया और हम सभी इसके लिए आभारी हैं। यह टूर्नामेंट हमारे व्यक्तिगत कौशल को निखारने में बहुत सहायक रहा।

सविता को इन पुरस्कारों के साथ बड़ी धनराशि भी मिली— हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर अवॉर्ड के लिए 25 लाख और हॉकी इंडिया बलजीत सिंह अवॉर्ड के लिए 5 लाख रुपये। उन्होंने इस पर कहा, पहले के वर्षों में हमें विश्वास नहीं होता था कि हमें इतनी बड़ी राशि भी मिल सकती है। यह सिर्फ सम्मान का विषय नहीं है, बल्कि हमें अपने परिवार और प्रियजनों की देखभाल करने का अवसर भी देता है। भारत में बहुत कम खेलों में महिलाओं को इतनी बड़ी पहचान और अवसर मिलते हैं।

आने वाले समय में सविता का ध्यान अगले साल के वर्ल्ड कप और एफआईएच महिला प्रो लीग पर रहेगा। उन्होंने कहा, जब देश हमें इतना सम्मान और प्रोत्साहन देता है, तो यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम अपना सर्वश्रेष्ठ दें। इन पुरस्कारों के साथ एक जिम्मेदारी भी जुड़ती है।

भारत के हालिया प्रदर्शन पर बात करते हुए उन्होंने कहा, हमने एफआईएच महिला प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण में कुछ शानदार प्रदर्शन किए। खासकर नीदरलैंड्स को शूटआउट में हराना हमारे लिए एक बड़ी जीत थी। यह मेरी इस साल की सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस में से एक थी। उम्मीद है कि हम आगे और बेहतर करेंगे।